इकाई–5

बिहार : कृषि एवं वन संसाधन

बिहार की कृषि : बिहार की 80% जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। (2005–06 में)। यहाँ कुल कृषि भूमि लगभग 60% है।

प्रमुख कृषि फसलें

प्रकार	बुआई	कटाई	प्रमुख फसलें
भदई	मई–जून	अगस्त–सितम्बर	धान, मकई, ज्वार, बाजरा, जूट, सब्जी
अगहनी	मध्य जून–अगस्त	नवम्बर–दिसम्बर	धान, ज्वार, बाजरा, गन्ना, अरहर
रबी	अक्टूबर–नवम्बर	अप्रैल–मई	गेहूँ, जौ, दलहन, तिलहन
गरमा	ग्रीष्म ऋतु	जून	धान, सब्जियाँ, खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूज, लीची

प्रमुख खाद्य फसल

धान
खेती – राज्य के सभी भागों में
प्रमुख उत्पादक जिले – प0 चम्पारण, रोहतास, औरंगाबाद

गेहूँ
खेती – राज्य के सभी जिलों में।
प्रमुख उत्पादक जिला – रोहतास

दलहन
प्रमुख उत्पादक जिले – पटना, औरंगाबाद, कैमूर

मक्का
प्रमुख उत्पादक जिले – खगड़िया, समस्तीपुर, बेगुसराय

तिलहन
प्रमुख उत्पादक जिले – प0 चम्पारण, बेगुसराय, पूर्णिया, सहरसा

प्रमुख व्यावसायिक फसलें

गन्ना
प0 चंपारण, गोपालगंज, पू0 चंपारण

जूट
पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, किशनगंज, सहरसा, मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर

तंबाकू
समस्तीपुर, वैशाली, पटना, दरभंगा, भागलपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर (गंगा दियारा क्षेत्र)

सब्जियाँ, फल एवं मसाले
पटना, नालन्दा, नवादा, गया, जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, वैशाली, भागलपुर, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, खगड़िया

https://www.evidyarthi.in/

कृषि की प्रमुख समस्याएँ

- मिट्टी का कटाव एवं उर्वरता में ह्रास
- घटिया बीजों का प्रयोग
- खेतों का छोटा आकार
- अशिक्षित एवं रूढ़िवादी किसान
- बाढ़ एवं सिंचाई की समस्या
- नवीन तकनीक एवं यंत्रों का कम उपयोग

कृषि कैलेंडर : वर्ष भर विभिन्न फसल ऋतुओं के अनुसार खेत को (अगली) फसल के लिए तैयार करना कृषि कैलेंडर कहा जाता है।

बिहार के जल संसाधन : बिहार में जल का विशाल भंडार इसके धरातलीय स्रोत (नदी, तालाब एवं जलाशयों) तथा भूमिगत स्रोतों (कुआँ, नलकूप, हैंडपम्प इत्यादि) में उपलब्ध है।

जल संसाधन का उपयोग

- सिंचाई
  - नहर (40%)
  - नदी घाटी परियोजनाएँ
  - नलकूप (38.7%)
  - कुआँ (2%)
  - तालाब (9%)
- गृह कार्य
- औद्योगिक कार्य

सोन नहर	• बिहार की पहली आधुनिक सिंचाई परियोजना। • पटना, भोजपुर, गया, जहानाबाद, रोहतास, औरंगाबाद क्षेत्र में जलापूर्त्ति • 1874 ई0 में डिहरी पर निर्मित
सारण नहर	गोपालगंज प्रखंड में 1880 ई0 में निर्माण
ढाका नहर	ढाका अनुमंडल में ललबकिया नदी पर निर्मित
त्रिवेणी नहर	प0 चम्पारण में 1903 ई0 में गंडक नदी पर निर्मित
गंडक नहर	• बाल्मीकि नगर के पास बाँध बनाकर तिरहुत एवं सारण नहर का निर्माण • सारण, चंपारण, मुजफ्फरपुर, दरभंगा जिले
कोसी नहर	• हनुमान नगर के पास, बाँध बनाकर नहरों का निर्माण • पूर्णिया, सहरसा, मधेपुरा, दरभंगा जिले।

सिंचाई

- नलकूप (समस्तीपुर एवं सीतामढ़ी)
- कुआँ (दरभंगा, मधुबनी, प0 चंपारण नवादा, नालन्दा, गया, जहानाबाद)
- तालाब (मधुबनी, नालन्दा)

https://www.evidyarthi.in/

प्रमुख नदी घाटी परियोजनाएँ

सोन नदी

- बिहार की सबसे पुरानी एवं पहली परियोजना
- 1874 में विकास
- मुख्य उद्धेश्य – सिंचाई कार्य
- इन्द्रपुरी बाँध का निर्माण
- डेहरी एवं बारूण में जलविद्युत उत्पादन गृहों की स्थापना

गंडक नदी

- उत्तर प्रदेश एवं बिहार की संयुक्त परियोजना
- बाल्मीकिनगर के पास जलाशय निर्माण
- भैंसालोटन में बाँध का निर्माण
- मुख्य उद्धेश्य – सिंचाई कार्य
- बाल्मीकिनगर से थोड़ा पूरब जल विद्युत केन्द्र का विकास

कोसी नदी

- 1955 में आरंभ
- मुख्य उद्धेश्य – नदी के बदलते मार्ग को रोकना
- हनुमाननगर के पास बैराज का निर्माण
- सिंचाई कार्य के लिए नहरों का निर्माण
- 1963 में कोसी बैराज का निर्माण
- पूर्वी कोसी नहर पर जल विद्युत उत्पादन गृह का निर्माण

अन्य नदी घाटी परियोजनाएँ

दुर्गावती जलाशय परियोजना

- मुख्य उद्धेश्य – कैमूर एवं रोहतास जिले के सूखाग्रस्त क्षेत्र को सिंचित करना।
- बाढ़ नियंत्रण गौण उद्धेश्य है।
- चेनारी प्रखंड में करमचाट के पास इस नदी पर बाँध बनाने की योजना

ऊपरी किऊल जलाशय परियोजना

- मुंगेर एवं लक्खीसराय जिलों के क्षेत्रों को सिंचित करना
- बाढ़ नियंत्रण और पार्यावरण संवर्द्धन गौण उद्धेश्य हैं।

बागमती परियोजना

- सीतामढ़ी जिला में रामनगर के निकट बाँध का निर्माण
- मुख्य उद्धेश्य : सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, नदी–कटाव रोकना, जल निकास एवं पर्यावरण संवर्द्धन
- पू0 चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर एवं मुजफ्फरपुर जिले में सिंचाई सुविध उपलब्ध कराना।

बरनार जलाशय परियोजना

जमुई जिले में बरनार नदी पर बाँध बनाकर सिंचाई कार्य करना।

https://www.evidyarthi.in/

वन संसाधन

(क) आर्द्र पतझड़ वन
क्षेत्र : दक्षिणी पहाड़ी एवं उत्तर पश्चिमी भाग
मुख्य वृक्ष : साल, शीशम, बांस, सवई घास, महुआ, जामुन, कटहल, कुसुम, केन्दु, गुल्लड़, अमलतास, गम्हार, करंज।

(ख) शुष्क पतझड़ वन
क्षेत्र : पूर्वी मध्यवर्त्ती एवं दक्षिण–पश्चिमी पहाड़ी प्रदेश
मुख्य क्षेत्र : खैर, बहेड़ा, पलास, महुआ अमलतास, शीशम, नीर, हर्रे

वन एवं वन्य जीव संरक्षण : बिहार के मात्र 6.87% भौगोलिक क्षेत्र पर वन का विस्तार है। वन वृद्धि के लिए वनरोपण, समुदाय आधारित वन प्रबंध एवं संरक्षण योजना, सामाजिक वानिकी तथा व्यावसायिक वानिकी पर जोर दिया जा रहा है।
वन्य जीवों के संरक्षण के लिए पटना का संजय गाँधी जैविक उद्यान, बेगुसराय के मंझौल स्थित काँवर झील, दरभंगा जिला में कुशेश्वर स्थान प्रसिद्ध हैं।
प्रयास, तरूमित्र, प्रत्यूष और मंदार नेचर क्लब स्वयंसेवी संस्थाएँ भी इस दिशा में कार्यरत हैं।

बिहार में एक प्रतिशत से कम भूमि पर वन वाले जिले : सीवान, सारण, भोजपुर, बक्सर, पटना, गोपालगंज, वैशाली, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, बेगुसराय, मधेपुरा, खगड़िया, नालन्दा।

https://www.evidyarthi.in/

बिहार : खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

- खनिज संपदा की उपलब्धता किसी क्षेत्र के आर्थिक विकास का सूचक होता है।
- बिहार में देश के खनिज संसाधन का भंडार 1% से भी कम है।
- बिहार के चूना पत्थर और पाइराइट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

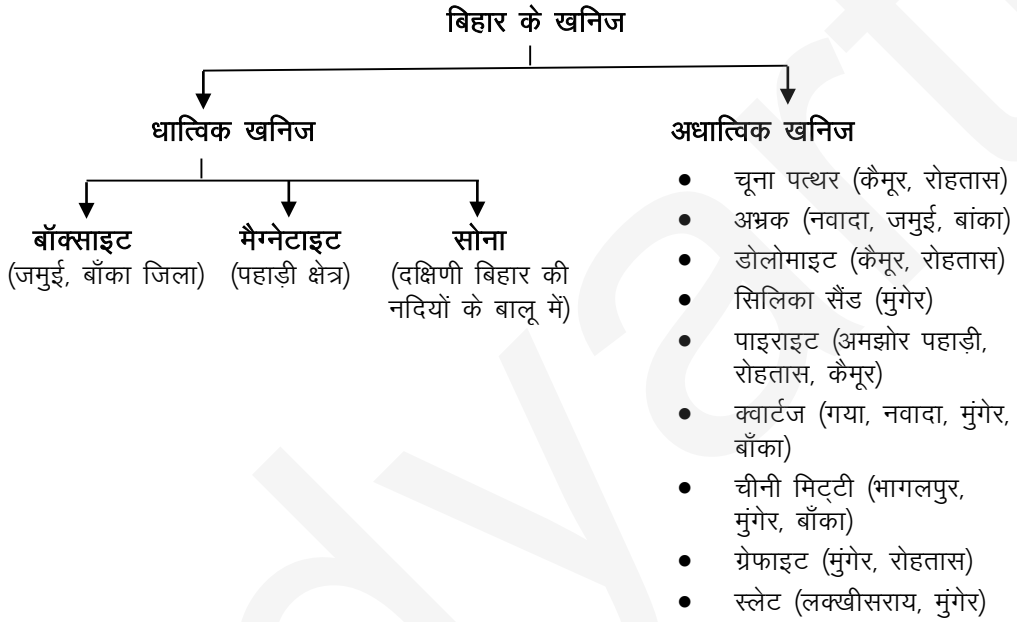

- गंगा की द्रोणी में खनिज तेल मिलने की संभावना हैं।
- चूना पत्थर का उपयोग मुख्य रूप से सीमेंट उद्योग में होता है।

https://www.evidyarthi.in/

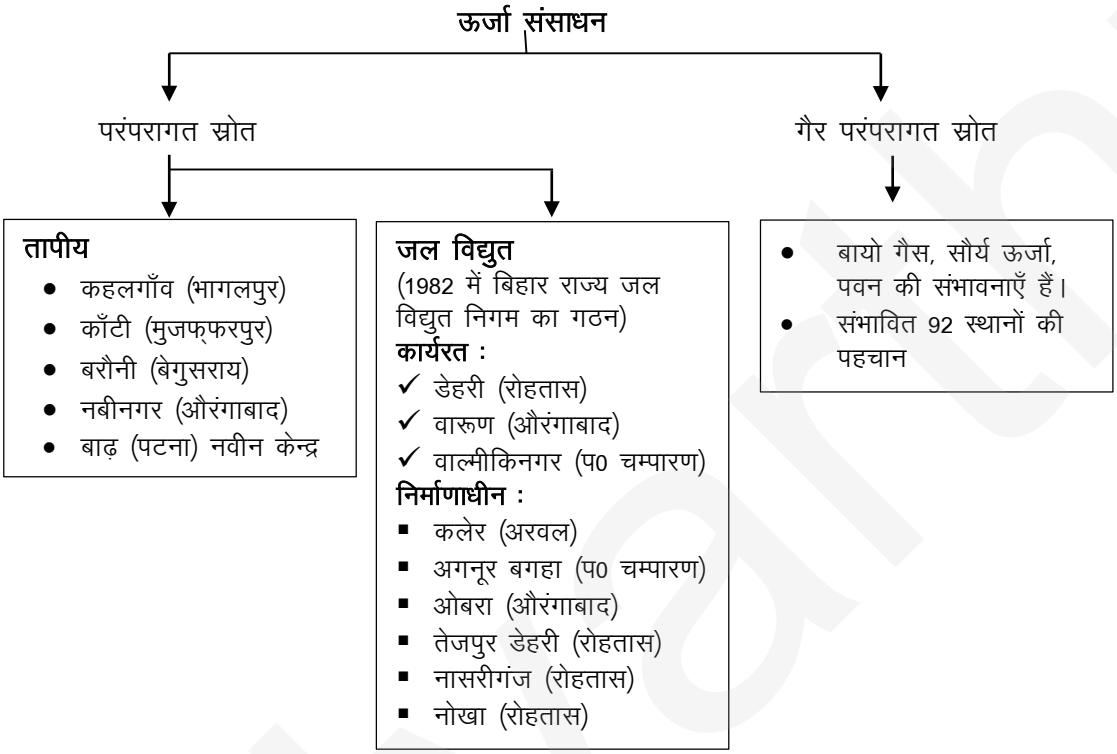

बिहार : उद्योग एवं परिवहन

- बिहार के उद्योग : बिहार सरकार के सर्वेक्षण रिपोर्ट (2007–08) के अनुसार बिहार में कुल 262 औद्योगिक इकाइयाँ हैं। इसमें सर्वाधिक केन्द्रीकरण 38.2% पटना प्रमंडल में है।
- 2001–02 के तीसरे अखिल भारतीय लघु उद्योग गणना में बिहार में कुल 72.6 हजार स्थायी रूप से निबंधित लघु इकाइयाँ है।
- भारत की पहली चीनी मिल (डच द्वारा) 1840 में बेतिया में स्थापित किया गया।

बिहार के उद्योग

- कृषि आधारित उद्योग
- गैर कृषि आधारित उद्योग
- खनिज आधारित उद्योग
- वन आधारित उद्योग
- पर्यटन उद्योग

https://www.evidyarthi.in/

कृषि आधारित उद्योग

चीनी उद्योग	तेल उद्योग	जूट उद्योग	तंबाकू उद्योग	चवल, दाल, आटा मिल, उद्योग
● 2006–7 में चीनी मिलों की संख्या राज्य में 9 थी। ● चीनी का कुल उत्पादन 4.52 मीट्रिक टन है। ● अधिकतर चीनी मिलें उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में है। ● पश्चिमी चंपारण,पूर्वी चंपारण, सीवान,गोपाल गंज,सारण, दरभंगा,गया, मुजफ्फरपुर जिला में चीनी मिले हैं।	**तेल मिलें –** पटना, गया, जहानाबाद, नालन्दा,रोहतास, भोजपुर, मुंगेर, भागलपुर में है।	● राज्य में जूट के कारखानें कटिहार, पूर्णिया एवं दरभंगा जिलों में है	● तंबाकू आधारित बीड़ी एवं सिगरेट के कारखाने राज्य में विकसित हैं। ● मुंगेर के दिलावरपुर में सिगरेट कारखाना है। ● बीड़ी निमार्ण के कारखाने मुंगेर,झाझा,गया, पटना, लक्खीसराय, जमुई, आरा बक्सर,बिहार शरीफ, महनार दलसिंहसराय में है।	● धान से चावल बनाने की मिलें भोजपुर, औरंगाबाद गया,जहानाबाद, रोहतास तथा उत्तरी तराई क्षेत्रों में है। ● दलहन मिलें बाढ़,मोकामा, बरबीघा,शेखपुरा, पटना बिहार शरीफ में है। ● गेहूँ से आटा बनाने की मिलें पटना, गया,जहानाबाद, रोहतास, मुजफ्फरपुर, दरभंगा,भागलपुर जिलों में है।

गैर कृषि आधारित उद्योग

चर्म उद्योग

● अधिकांश चर्म उद्योग पटना, कटिहार, औरंगाबाद, बेतिया,मोकामा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया में है।

● चर्म शिल्प उद्योग बेतिया, पटना, दानापुर, मुजफ्फरपुर में है।

वस्त्र उद्योग

● सिल्क उद्योग भागलपुर, मुजफ्फरपुर, गया, दरभंगा, नवादा, भभुआ (बनारसी साड़ी)

● ऊनी उद्योग – मुंगेर, मुजफ्फरपुर, पटना में कंबल निर्माण।

● सूती उद्योग – डुमरांव, गया, मोकामा, मुंगेर, फुलवारीशरीफ, ओरमांझी, भागलपुर में

कालीन उद्योग

औरंगाबाद के ओबरा एवं दाउदनगर में विकसित है।

https://www.evidyarthi.in/

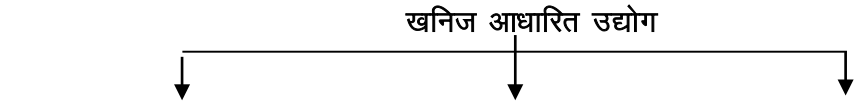

सीमेंट उद्योग

- रोहतास जिला में डेहरी ऑन सोन के पास डालमियानगर, रोहतास एवं कैमूर में।
- यह उद्योग रूग्नावस्था में है।

रासायनिक उद्योग

- बरौनी में विकसित है।
- हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर्स (खाद) उद्योग के नाम से प्रसिद्ध।

काँच उद्योग

- पटना, हाजीपुर, दरभंगा, भागलपुर में।

वन आद्यारित उद्योग

- लकडी काटने के कारखाने : नरकटियागंज, जोगबनी, बैरगनिया, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, पटना, भागलपुर, कटिहार में।
- प्लाईवुड कारखाने : हाजीपुर, बेतिया, पटना, मोकामा में।
- कागज कारखाने : समस्तीपुर, डालमियानगर, बरौनी, पटना में।
- लाह खारखाने : नवादा, गया, बांका, मुंगेर, पूर्णिया जिला में।

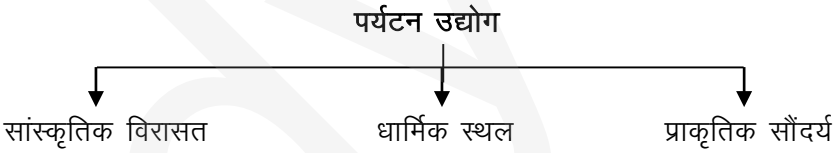

बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थल : पाटलीपुत्र, राजगीर, गया, बोधगया, वैशाली, सोनपुर, नालंदा, पावापुरी, पटना साहिब, बाल्मीकिनगर, देव, सासाराम, मंदार हिल, मुण्डेश्वरी, मनेर, बिहारशरीफ, जगदीशपुर, डुमराँव, बक्सर इत्यादि हैं।

रज्जु मार्ग : राजगीर में जापान सरकार की सहायता से गृद्धकूट पर्वत पर बौद्ध शांति स्तूप पर जाने के लिए रज्जू मार्ग का विकास किया गया है।

अन्य उद्योग

- बरौनी (तेलशोधनशाला)
- चण्डी (जैविक खाद निर्माण उद्योग)
- मुंगेर (बंदूक निर्माण)
- पटना (साफ्टवेयर तकनीक उद्योग)
- पूर्णिया (कीटनाशक उद्योग)
- दरियापुर (छपरा) (रेल चक्का निर्माण)
- बेतिया (प्लास्टिक उद्योग)

https://www.evidyarthi.in/

- मोकामा (रेलवे वैगन एवं इंजीनियरींग उद्योग)
- कहलगाँव, बरौनी, काँटी (ताप विद्युत उत्पादन)
- हरनौत (रेल कोच फैक्ट्री)
- जमालपुर (डीजल इंजन वर्कशॉप)
- राजगीर (आयुद्ध कारखाना)

बिहार में औद्योगिक पिछड़ेपन के कारण

- कच्चे माल की कमी
- संरचनात्मक सुविधाओं की कमी
- पूँजी की कमी
- साहस की कमी
- विदेशी निवेश की कमी
- सरकार की नीति

बियाडा (बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार) के कार्य : यह बिहार में –

- औद्योगिक क्षेत्र विकास के लिए कार्य करता है।
- 2006–07 में 15 इकाइयों को जमीन दी गई।
- 2010–11 में 627 इकाइयों को जमीन का आवंटन किया गया।
- बियाडा द्वारा नई इकाइयों को 24 घंटे में आवंटन की व्यवस्था आरंभ।
- हाजीपुर में राज्य का पहला फूड पार्क विकसित।
- भागलपुर एवं बेगुसराय में हस्तकरघा पार्क का निर्माण
- फतुहा में अंतरदेशीय कंटेनर डिपो की स्थापना।

बिहार में परिवहन

सड़क मार्ग :

- आजादी के समय सड़क मार्ग की लंबाई – 2104 कि0 मी0
- वर्तमान में – 81680 कि0 मी0
- सड़को के 5 वर्ग
- सर्वाधिक सड़के ग्रामीण सड़के – 77.46%
- राष्ट्रीय उच्च पथ – 4.57%
- राज्य उच्च पथ – 4.71%
- प्रमुख राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या – (2, 28, 84, 85, 80, 82, 31, 77)
- प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग – (98, 99, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107)

https://www.evidyarthi.in/

रेल मार्ग :

- प्रथम रेल ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा 1860 में पटना से कोलकाता तक।
- 1959 में मोकामा पुल निर्माण से उत्तर दक्षिण बिहार का संपर्क जुड़ा।
- 2001 में राज्य में रेल लाइन की कुल लंबाई 6283 कि0 मी0।
- 2002 में पूर्व–मध्य रेल मंडल का मुख्यालय हाजीपुर में स्थापित।

जल मार्ग :

- गंगा नदी में हल्दिया–इलाहाबाद राष्ट्रीय जलमार्ग 01 विकसित।
- महेंद्रूघाट स्थित राष्ट्रीय पोत संस्थान स्थापित।
- गाय घाट के निकट अंतरदेशीय जल मार्ग प्राधिकरण का कार्यालय स्थापित।

वायु मार्ग

- पटना स्थित 'लोक मान्य जयप्रकाश नारायण' अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा।
- इसके अतिरिक्त बोधगया, मुजफ्फरपुर, जोगबनी, रक्सौल, भागलपुर, बिहटा में हवाई अड्डा।
- बिहटा में वायु सेना का हवाई अड्डा।

बिहारः जनसंख्या एवं नगरीकरण

विशेषताएँ :

- बिहार में 3000 वर्ष पूर्व मानव बसाव के प्रमाण उपलब्ध।
- मगध साम्राज्य में 80,000 से भी अधिक गाँव थे।
- 2001 के आँकड़ो में कुल जनसंख्या 8 करोड़ 29 लाख थी।
- यह जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या का 8.07% थी।
- जनसंख्या आँकड़ो में बिहार का तीसरा एवं घनत्व में प्रथम स्थान था।
- 1991–2001 में दशकीय वृद्वि दर 28.62% थी।
- कुल आबादी का 89% ग्रामीण आबादी।
- लिंगानुपात (2001) 919 महिलाएँ प्रति हजार पुरूष।
- 2005 में जन्मदर 30.4 थी।
- 2001 में जन घनत्त्व 881 व्यक्ति/वर्ग किलोमीटर।
- सबसे अधिक जनसंख्या वाला जिला पटना है।

पटना नगर मे अधिक जनसंख्या का कारण

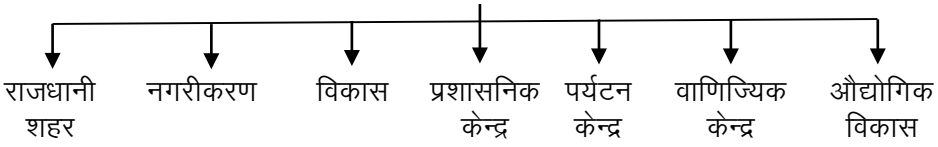

https://www.evidyarthi.in/

बिहार की जनसंख्या

उच्च आबादी वाले जिले :
पटना, गया, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, हाजीपुर, बेतिया, मोतिहारी, छपरा, सिवान, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर (राज्य की 53% जनसंख्या)

मध्यम आबादी वाले जिले :
सुपौल, नवादा, औरंगाबाद, अररिया, गोपालगंज, भोजपुर, बेगुसराय, नालंदा, कटिहार, भागलपुर, रोहतास, मुंगेर, खगडिया, कैमूर, किशनगंज, जमुई, बक्सर, सहरसा, जहानाबाद, अरवल,मधेपुरा, बाँका (राज्य की 45.84% जनसंख्या)

निम्न आबादी वाले जिले
शिवहर, शेखपुरा, लक्खीसराय (राज्य की 0.60% जनसंख्या)

बिहार में जनघनत्त्व

अत्याधिक घनत्त्व वाले जिले :
पटना, दरभंगा, बेगुसराय, सिवान, वैशाली, सीतामढ़ी, सारण (1200 व्यक्ति/वर्ग कि0 मी0)

उच्च घनत्व वाले जिले :
मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, गोपालगंज, मधुबनी, नालंदा (1000–1200 व्यक्ति/वर्ग कि0 मी0)

मध्यम घनत्त्व वाले जिले :
पूर्वी चंपारण, भागलपुर, जहानाबाद, अरवल, भोजपुर, सहरसा, खगड़िया, मधेपुरा, बक्सर, मुंगेर (800–1000वयक्ति/वर्ग कि0 मी0)

कम घनत्त्व :
कटिहार, नवादा, पूर्णिया, अररिया, शेखपुरा, सुपौल, शेष जिले (600–800 व्यक्ति/वर्ग कि0मी0)

अत्यंत कम घनत्व :
प0चपारण, बाँका, कैमूर, जमुई (600 वयक्ति/वर्ग कि0मी0)

बिहार के नगर

प्राचीन नगर	मध्यकालीन नगर	आधुनिक नगर
पाटलीपुत्र, नालन्दा, राजगीर	सासाराम, दरभंगा पूर्णिया,	बरौनी, हाजीपुर, दानापुर
गया, वैशाली, बोधगया,	छपरा, सीवान	डालमियानगर, मुंगेर
उदवंतपुरी, सीतामढ़ी		जमालपुर, कटिहार

https://www.evidyarthi.in/

विशेषताएँ :

- नगरीय आबादी राज्य में (2001) 10.5% है।
- एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर 19 हैं।
- दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर 01 (पटना) है।
- कुल नगरीय बस्तियाँ (2001) 131 हैं।
- बिहार का सबसे बड़ा नगर पटना है।
- अविभाजित बिहार में एकमात्र नियोजित नगर टाटानगर था।

प्रश्न :

1. बिहार में सबसे अधिक आबादी वाला जिला ..... है।

2. बिहार में अति जल दोहन से किस तत्व का संकेन्द्रण बढ़ा है?
   (क) फ्लोराइड (ख) आर्सेनिक
   (ग) क्लोराइड (घ) लौह तत्व

3. संजय गॉधी जैविक उद्यान किस नगर में स्थित है?
   (क) राजगीर (ख) बोधगया
   (ग) बिहार शरीफ (घ) पटना

4. बिहार का सबसे बड़ा नगर ..... है।

5. बिहार का रज्जुमार्ग कहाँ है?
   (क) पटना (ख) बिहार शरीफ
   (ग) राजगीर (घ) बाँका

https://www.evidyarthi.in/